भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1767

जिसका उत्तर 01 अगस्त, 2024 को दिया जाना है।

.....

पंजाब में जल संकट

1767. डॉ. धर्मवीर गांधी:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पंजाब 'डे जीरो' से सत्रह वर्ष पीछे है जैसा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) निगरानी समिति द्वारा बल दिया गया था;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं और इस मुद्दे के समाधान के लिए पंजाब को अब तक कितनी निधि आवंटित की गई हैं और उनके क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं;

(ग) क्या सरकार का विचार पंजाब में गिरते भू-जल स्तर का पुनरुद्धार करने का है; और

(घ) यदि हां, तो पंजाब में स्थिति से निपटने के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है और कितनी योजनाएं बनाई गई हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री राज भूषण चौधरी)

(क): केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा संबंधित राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयास से प्रत्येक वर्ष गतिशील भूमि जल संसाधनों का आंकलन किया जता है। पंजाब में वर्ष 2023 के मध्य (मानसून के बाद वर्ष 2013 से 2022 तक) और मानसून के बाद 2023 मे जिलावार दशकीय जल स्तर में उतार-चढ़ाव के विश्लेषण से पता चलता है कि निगरानी किए गए लगभग 34.65% कुओं के भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है, जो ज्यादातर 0.0 - 2.0 मीटर की रेंज में है। इसके अलावा, 65.34% विश्लेषित कुओं के भूजल स्तर में गिरावट भी देखी गई है जो अधिकांशतः 0.0-2.0 मीटर की रेंज में हैं। कुछ कुओं में 40 मीटर से अधिक की गिरावट भी देखी गई है। उपर्युक्त आंकड़ों का ब्यौरा **अनुलग्नक** मे संलग्न है। तथापि, भूजल एक पुनर्भरणीय संसाधन होने के कारण, यह वर्षा और अन्य स्त्रोतों जैसे - सिंचाई से वापिस आने वाला जल प्रवाह, नहर रिसाव, सतही जल निकायों से पुनर्भरण आदि के माध्यम से प्रतिवर्ष उसमे पुनर्भरण होता रहता है। इसके अलावा, भूजल पृथ्वी के नीचे गहरे जलभृतों में भी उपलब्ध है।

(ख) से (घ): जल राज्य का विषय होने के कारण, भूजल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के प्रयास राज्य सरकार के अधिदेश के अंतगर्त आते हैं। केन्द्र सरकार तकनीकी और वित्तीय सहायता के माध्यम से राज्य सरकार के प्रयासों में सहायता करती है। पंजाब राज्य में भूजल गिरावट को रोकने के लिए मंत्रालय द्वारा उठाए गए मुख्य कदम नीचे दिए गए हैं:

- पंजाब में 50,369 वर्ग किमी क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय जलभृत्त मानचित्रण अध्ययन किए गए हैं। राष्ट्रीय जलभृत्त प्रबंधन (एनएक्यूआईएम) अध्ययनों के आधार पर भूजल प्रबंधन योजनाएं तैयार की गई हैं और उसके कार्यान्वयन के लिए रिपोर्ट को राज्य और जिला प्राधिकारियों के साथ साझा किया गया है।
- एनएक्यूआईएम 2.0 अध्ययन पंजाब में क्रमश खराब गुणवत्ता और अतिदोहित क्षेत्र श्रेणी के अंतर्गत लुधियाना और संगरूर जिलों के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में किया गया है ताकि भूजल प्रबंधन के लिए समस्या आधारित वैज्ञानिक इनपुट प्रदान की जा सकें।
- सीजीडब्ल्यूबी द्वारा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श से भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण के लिए मास्टर योजना-2020 तैयार की गई है जो अनुमानित लागत सहित देश की विभिन्न भू-भाग स्थितियों के लिए विभिन्न संरचनाओं को दर्शाने वाली एक वृहत स्तरीय योजना है। पंजाब राज्य के लिए 48537 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को कवर करने वाले कृत्रिम पुनर्भरण हेतु एक मास्टर प्लान तैयार किया गया है और उसे राज्य सरकार के साथ साझा किया गया है।
- इस मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को भूजल विकास के विनियमन हेतु उपयुक्त भूजल विधान अधिनियमित करने में सक्षम बनाने के लिए एक माडल बिल परिचालित किए गए है। अब तक, पंजाब सहित 21 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने भूजल कानून को अपनाया और कार्यान्वित किया है।
- पंजाब के विभिन्न हिस्सों में 34 सार्वजनिक विचार-विमर्श कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 3148 लोगों ने भाग लिया।
- पंजाब ने राज्य में भूजल स्तर की निगरानी के लिए राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तहत टेलीमेट्री के साथ 1044 डिजिटल वाटर लेवल रिकॉर्डर (डीडब्ल्यूएलआर) स्थापित किए हैं एवं इस गतिविधि के लिए 11.90 करोड़ रुपये का आवंटन भी किया है।
- 200 वर्ग गज से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी भवनों में रूफ टॉप वर्षा जल संचयन को अनिवार्य कर दिया गया है।
- पंजाब जल संसाधन विनियमन और विकास प्राधिकरण (पीडब्लूआरडीए) की स्थापना पंजाब जल संसाधन (प्रबंधन और विनियमन) अधिनियम, 2020 की धारा 3 के तहत एकीकृत राज्य जल योजना (आईएसडब्ल्यूपी) के अनुसार राज्य में पानी के संरक्षण, प्रबंधन और विनियमन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।
- इसके अलावा, देश में स्थायी भूजल प्रबंधन के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों को https://cdnbbsr.s3waas.gov.in/s3a70dc40477bc2adceef4d2c90f47eb82/uploads/2024/07/20240716706354487.pdf पर देखा जा सकता है।

सीजीडब्ल्यूबी 'भूजल प्रबंधन और विनियमन' पर एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना लागू कर रहा है जिसके तहत पिछले पांच वर्षों के लिए संयुक्त रूप से आवंटित धन (पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र के लिए, एक ही क्षेत्र के कार्यालय होने के नाते) का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	आवंटन (लाख में)
2023-24	657.56
2022-23	773.78
2021-22	462.42
2020-21	263.68
2019-20	383.58

*****

अनुलग्नक

"पंजाब में जल संकट" के संबंध में दिनांक 01.08.2024 को लोक सभा ने उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 1767 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

पंजाब में वर्ष 2023 के औसत (मानसून के बाद वर्ष 2013 से 2022 तक) और मानसून के बाद के जिलावार दशकीय जल स्तर में उतार-चढ़ाव

क्र.सं.	जिलों का नाम	आंकलित कूओ की संख्या	कुओं की संख्या / % जल स्तर की गहराई (एमबीजीएल) के रेंज में												कूओ की कुल सं/%			
			वृद्धि						गिरावट						वृद्धि		गिरावट	
			0 to 2		2 to 4		> 4		0 to 2		2 to 4		> 4		सं.	%	सं.०	%
			सं.	%	सं.	%	सं.	%	सं.	%	सं.	%	सं.	%				
1	अमृतसर	6	0	0	1	16.7	0	0	4	66.7	1	16.7	0	0	1	16.67	5	83.33
2	बरनाला	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	100	0	0.00	3	100.00
3	बठिंडा	16	1	6.3	0	0	0	0	6	37.5	1	6.3	8	50	1	6.25	15	93.75
4	फरीदकोट	14	4	28.6	0	0	0	0	6	42.9	4	28.6	0	0	4	28.57	10	71.43
5	फतेहगढ़ साहिब	8	3	37.5	1	12.5	0	0	3	37.5	1	12.5	0	0	4	50.00	4	50.00
6	फाजिल्का	10	3	30	0	0	0	0	7	70	0	0	0	0	3	30.00	7	70.00
7	फिरोजपुर	3	2	66.7	0	0	0	0	1	33.3	0	0	0	0	2	66.67	1	33.33
8	गुरदासपुर	11	3	27.3	0	0	0	0	6	54.5	1	9.1	1	9.1	3	27.27	8	72.73
9	होशियारपुर	18	11	61.1	1	5.6	1	5.6	3	16.7	2	11.1	0	0	13	72.22	5	27.78
10	जालंधर	9	2	22.2	0	0	1	11.1	2	22.2	2	22.2	2	22.2	3	33.33	6	66.67
11	कपूरथला	6	2	33.3	0	0	0	0	3	50	0	0	1	16.7	2	33.33	4	66.67
12	लुधियाना	8	0	0	1	12.5	2	25	2	25	2	25	1	12.5	3	37.50	5	62.50
13	मनसा	3	0	0	0	0	0	0	1	33.3	1	33.3	1	33.3	0	0.00	3	100.00
14	मोगा	5	0	0	0	0	0	0	1	20	2	40	2	40	0	0.00	5	100.00
15	मुक्तसर	8	2	25	0	0	0	0	6	75	0	0	0	0	2	25.00	6	75.00
16	पठानकोट	11	4	36.4	0	0	0	0	6	54.5	0	0	1	9.1	4	36.36	7	63.64
17	पटियाला	7	0	0	2	28.6	1	14.3	0	0	2	28.6	2	28.6	3	42.86	4	57.14
18	रूपनगर	7	5	71.4	1	14.3	0	0	1	14.3	0	0	0	0	6	85.71	1	14.29
19	संगरूर	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	100	0	0.00	5	100.00
20	एसएएस नगर	6	3	50	1	16.7	0	0	2	33.3	0	0	0	0	4	66.67	2	33.33
21	एसबीएस नगर	4	0	0	0	0	1	25	2	50	1	25	0	0	1	25.00	3	75.00
22	तरनतारन	8	2	25	0	0	0	0	2	25	4	50	0	0	2	25.00	6	75.00
	कुल	**176**	**47**	**26.7**	**8**	**4.5**	**6**	**3.4**	**64**	**36.4**	**24**	**13.6**	**27**	**15.3**	**61**	**34.66**	**115**	**65.34**